

मूलदमप्रसन्नगता न॥ वसनं वंद्यं मय कवय सुमंगल
सुदिगनिऊग लोड विकसंग कस्यपु हिनसमसो रिनेः
रूप निवदय मय कगी दृश्य ॥ नृप्यववायनमशा वाड
विजय ॥ जयपुत्र ॥ विकसित कसूदक लाध प्रभू वः
विषध प्रकलुलमलुनक ॥ १ ॥ रुडन टन मूदार्ज ॥ धया सु
ललिगरु निवति विनविगलन ॥ गिरुवनयूजिन सुवगलसा
नवधी गल उकठ न सुप्रविनव नैद लानै चंदरुन विमहि

गमदनी ॥ दृष्टवयमारुवरुय रुजनी ॥ रुयगी नृय सुसवि
नचननी ॥ ॥ वादी ॥ धप्रिक आठवन उववा वकोदू
इखवावसायावदी डाड क दूदय प्रसनदा वाव सखि वृक्ष
वाव अनाथ खवाव ॥ ॥ यालिगल क स्वा नया ला क क्खवानः
स्वाक दू गिय ला क लदन माकडा जिव आक अना डिथ क सायम
माक ॥ मनिक मार क स जया न जय निहा लरिति ग आला गयिः
वस्त्रालनाग क कल अति लवा लवा लरगाया ल ॥ उव सुमान साः

यजमानस्य स्वयानडासयास्वानवसययानवर्तिरिठानथान
वानवानसागिठान॥क॥गतिगभयवसेदूत्रायडनिडयायहाकस
यायनदयाकायगथिठाययहायहायजनसुधाय॥मिखागा
वावजसिकरावद्धनगुद्धवसायामवावडाकागिठानवयवृष
आवमदगगंमधजनकाव॥॥धना॥॥॥अविगतदवगि
गिप्रिसगलगात्रात्रगनकाअधूमहगा॥॥॥य॥॥गगा॥यत्र
सतिगूलवद्वद्वगंअधवाविमलागंगिगगा॥निममलेविहमिध

गारुजातिठवननाथनठगात्राडय॥॥॥सजा॥॥॥वलाडि॥॥॥य
ला॥॥॥लोकहिवायिनगंकिन॥॥॥गगा॥॥॥मेविहिद्यमिनिविलाड
ति॥॥॥लठमवृधत्रवत्रहिजूरयदल॥॥॥विसेहालकलठुअकाज
॥॥॥महगात्र॥॥॥रुगगलहजगलसंगत्राखमडधववाद्यकालमा
हि॥॥॥दिगद्ववसनमात्रदवहिसवक॥॥॥गमजठायत्रअवृजहि॥॥॥
उमालमलुमालवत्रयअहि॥॥॥धूथत्रहिगिजधन॥॥॥रावसहहि
लथकय॥॥॥लावयगा॥॥॥धू॥॥॥कयानमनमीलजा॥॥॥महगात्र॥

रु॥ उगगद्युर्कं गरुल निवयवव गल्ल लद धून ल शरु वानिभा
त्रिसुगदूदू अवनवावल नूनिदूखडू धावग मा हि रायिडानि
॥ ॥ माल॥ धो॥ धो॥ विधिने गं गं के वि विन गिह मा व सू नरु कय
अवधान॥ ध॥ अखि न सू न सू न कि न न मू नि गल नू नि ये च क य ग
गमन॥ रु उ ग य नाय म अ उ न हा ज य न स व दू क उ ने नि अ धा न॥ रु
ऊ न म मि हि न मू ल स ग नू रु म य द इ ग क व न धा न॥ यु व न ध ना य नि
गि वि जा व न ल ग ति रु य गी दू म लू व न रु न रु॥ ॥ न उ वि ड य॥

रु॥ उगक न रं ग रं गी स ग म वि स ग ल क हि न रु व व व का स य र
जो स॥ गि न सू न स वि धा न कू सू म मा य व न रू नू सि नू न वि नू हो
रु म न मा हे॥ का न कू ल दारु नि म नि नि न म न रु उ मा न कि
द्वि नि वा ड रु न रु उ॥ वा दू कू न रू उ मा न न त मा ति मो हा न ध हि न
न रू गी न व नि नि ड ग डी ति॥ व रु य न न चि त धि व क रु ग ति यू न नू य
उ ग डी ति नू हा रा न धू व धा न॥ ॥ धा ध गि वि॥ न॥ म य॥ मा यं त
म नि म ग ल ड य उ ग य म ग यान दि ल न ल वि के न य न का॥ ग॥ स

प्रथममन्त्रालिख्यनिर्दिष्टा (गद्यप्रनकमन्त्रका लमनमालया (ग)॥
 यथेष्टजनकयननिकयायदिकालकननानिधननुसिकयायुति
 यालेनानुयजगजानिकद्वन्द्विमायाजालाग (ग) उगिनिनामर्ग
 यनुकगाय ॥

ॐ



नदसिद्धाभयप्रयुक्तव
 नास्वोयतदायाहो न

कद्रिहा गुण

॥ यिकनिडि विनगिखसमनतीन ॥ अनगद्यनिकात्रनडिह
 सडासन, द्विद्वनिनवधनकायावविनकावनयहलविन
 गिखहासहलगलसयकुकागागयाव ॥ थूकनि ॥ द्वायमनध
 स्वाकनमलावडि कसगववकथा थ (थमस्वत्रीगी सुनतास
 वासथाकयवत्रयह (थ (थकसवकूनत्रख (थयीत्रीनि ॥ मयागनास
 गऊकविनगिडा सक ॥ रिठगुयाखूलखनडा सकसकासनकर
 दिनकडसासमगावनामिसरमलसत्रकससत्रादगितलेउ (थमस

कालगयादा॥ कृन्तयनसहितवियकुक्चिननगाडिधमनस
गत्रासुधकाश्रयिकपन्नडासबहुलेमिऊनथ॥०॥ नपाकस
यजीहासा॥ द्वाबाजिनामिगुनद्वन्द्वनियावचनधजोवनः
धिप्रमखूणावजमाद्धमनसैदहयायउसावसिनरुमनानथ
नानथनानविद्यादाव॥ ॥ ॥ यधमसअदलअम्भनड
वाजा॥ वदुमावठुजउसद्ययसससुजा॥ धु॥ माधवआसमवियम
कजा॥ चनयितियासदनसित्रससधन॥ कालीविनदिनद्यस्वाः

वाचं यत्कनकाहं गिरु न मनय न संताप स (थेन ॥ माया माह वास
 रु न का म्या मित्री कृ न ॥ स सुल द ऊ स डान दान जि डानि न ॥ रुः
 विरु लि धा न न न ग व स क न ॥ रु ग नि द्रु रु व स न सु ख वि या ना
 न ॥ सिद्धि न व सिं ह स्वामि (ग वि ना (आ वि न ॥ ॥ मा ह व ॥ वा ॥ नः
 क स ला सा या वा स स मू ख न दि सं लि (थ मू सू दू न दू ल ऊ साः
 या व ॥ दू थू नि स वा दू व ल नि न क य क व व ला ऊ (थ दू ना व
 स आ दू का व ॥ ल मा स रु य चू य रु ऊ आ न द व ॥ दू ॥ व ल लि न

सर्व नि य का व य स व द व म स न स आ द य या द व ॥ ब्र ग ल स
ख ल स ल सि न द्या ल क ज्ञा वि मि सा ख ह न न य का व ॥ लि मा ल उ
स न ऊ (था य ना स या द ख ल सि का तु का व का द व न या व ॥ उ व
ल स ऊ तु नि स द व या य ल या स ल द स या द का ज्ञा ऊ च आ व ॥ लि
या न ना य व ख ल का म या य रि उ म इ ज्ञा द क म ल व का ज्ञ ॥ कृ
धु सि च न म द्या क द र स च ल नि मू क रि ला हा थ धा व का ल का ल
॥ लि या न ना सा स या स च न द नान वा स म न स मा व ना स जू सी क

१ मि खा नि लि हि न का स मू स द न द ला व ऊ म स च ल्या न तु स द
क ॥ तु लि ना ख द्वा य या सा क इ व न थ का का द म न स न स न म
द द व ॥ ल्या (न इ स डी यो य धा द द वे म दू कु मि सा स व खः
डि ना मि तु न रा व ॥ १ वि र द्या य रु मी मि च न थाल जू सा
न वि सा स डि म न स रु न या थ च य सि व न्म न ॥ दू य नि थ दाना
या वि न का म या व न ॥ ॥ सि व ना म ना म द न ना म ना म
वि हि मा न भू ती का मे ॥ रि त्रि के दू स नू ल न धा मे ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ वा ऊ वि ऊ या ॥ लु ॥ रु व क द्य वि नि ना रु द्य वि ॥ म स न नि य
न क वा नि रु ॥ वि षू क द्य त मा रु क म वा स द्य वि लु क्का
नि ॥ रु त कि चू उ र न मा रु व थि क वि ल सि ग रु अ रु न
क दू ख न लो यो ॥ क क दू ख न अ य व व का ति ॥ स म र
नि ग यी वि य आ न न द य वि क लाला ॥ न व क व कि कि
न न व नि व ड व थि क मा ला ॥ रु अ य द स व क रु य वि
ग व य मा ॥ दि व वा ॥ आ न द व मा हि जा नि न ज्ञा ना रु

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

279

[illegible][illegible]

॥ नृनृयनतिकत्रकत्रकात्रिडधामाहिरुवानि अरिनयदः
 ॥ कत्रसुदिविनिहप्रहकवलनिडसुतज्ञानि ॥ ॥ धनलो ॥ का
 ॥ मनयकदायकनयनहिरायरुननिक्रयात्रसद्वकत्र (धाय)
 ॥ कत्रकात्रिवैयायदिविनवमयताह उहिरुखरात्रसतात्रहमाह
 ॥ कत्रकत्रयनहिकयलडधत्रीयात्रिनमात्रियकत्रहविचात्रि
 ॥ रुयरु ॥ निताहमाय रुवानि अत्रकियविसत्रविअयनूकवाली
 ॥ नृयरुगज्ञानिकरुनकत्रउदासुज्ञनहिरुतहिरुगताहत्रअस ॥

॥ ॥ कालाव ॥ ॥ गलयतिमनगुविरुलाचत्रलोसुत्रसुनिक्रत
 ॥ ननुमात्रगत्रलो ॥ कयालरुगलमधरुमत्रसु (मह) गज्ञानन
 ॥ युतुमुमिठिरुवनमाह ॥ मादक अरुगयागत्रयमालाकत्रविः
 ॥ यिनिरुत्रगत्रुमिदहामाकवत्र ॥ नृयरुगज्ञानिकरु उहिरुमनू
 ॥ मानत्रागकालावगभवनुहिरुतिमान ॥ ॥ कोनिक ॥ या ॥ तिमि
 ॥ लमत्रिनरुगकित्रनहिरु (धाय) दिनकत्रडदितसुदितसवहाय
 ॥ सुज्ञनकमलरुगताह ॥ मानययात्रकदयकेत्रवकलकवु ॥

उरुनदि वाकत्रकनदि सुव अरुनिलिनामदुदयनसुलव॥ न
यजगजातिकरुमन अरुमनि तादुनिवदायकदुत्रितविदावि
॥ ॥ यहदियामहाता॥ ॥ रुवरुयरुं ऊनि अरुसुत्रविनागिनि
ऊगऊनयाविनि, उरुवनतात्रिलि॥ मनसुख, दायिनिवियुगलः
मात्रिलि, ऊयऊय दायिनि ऊयवत्रकात्रिलि॥ सुत्रगल, नदिनिदुः
त्रितनिकदिनि, मगयगियात्रिलि समत्रविहत्रिलि॥ गी ऊगजाति
वबुवत्रगगति, वागमहालऊनि तातत्रयकगति॥ ॥ ॥ ॥

यु॥ दायिमदगनयाति, अधयविदुः मकाति, सुखकसदनयुस
नवदन, युनिमयान्दकराति॥ दविहताहदिऊगमाता, सकलः
सम्रातसूनि अरुिमनयात्रियदात्रयदाता॥ ॥ ॥ नयनकीरुवित्रा
समदनकानयुकास॥ विकयकमलरुगडयले, मलयातिविका
स॥ दानवदलनलील, विहिनसमयवीत्र॥ रुगततात्रिलि दूति
तदायनि, वियुधयालनधीत्र॥ नृयऊगजाति गवदुवयदमन
लाव॥ ऊरुनऊलदवातकदाहय, अनकिदूनहिरावा॥ ॥

॥ वजाडि ॥ ॥ यत्र निवसुम विपठय नहि राव गुत्र मुख विनरु
दकडानहि राव ॥ अनलगयन न भिजन वजान गरुन यत्रुषस
मकडानहि जान ॥ कमल सरुह यत्र सकति कुलाव यत्र नवधिन
कय समप्रसयाव ॥ नृयजगडा नहि हसव गुलसात्र वायव जाडि
गभव नहि यत्र तात्र ॥ ॥ वजाडि ॥ ॥ ममनाभाह निवात्रिमः
नदरुक् नलु विवात्रिमनसत्र ॥ ओ गुत्र गमश्रव कन अरु निति
धत्रय धयाने ॥ नाहि नड न विद्या यात्र विषम ऊये धि सीसात्र ॥ नृयः

जगजानि लहा गभवश्रव दूत नरु ऊदराव ॥ ॥ जाडि विजया
॥ ॥ अनंगश्रव याध दाय रुमत्रा कुमाऊगमा न कि वृष के वीयमा
हि नित नित के वरु सुदिधिया न ॥ ओ वकि वीनेति कत्र रु रुमना
रु रु गवता रुहि जानि वात्रिय दात्र थमा गलमा यता रु सुदरुः
सवक जानि ॥ के वृलत सुनिह मत्र विनति यत्र रु ना रु रु वा नि
य दय ग धवि क रु यु का ग नृय ग वल नहि मात्र अन ॥ ॥
धनाथी ॥ ॥ दण मुखि सुच विदग न विवाऊ खत्र गयत्र न कत्रः

उमत्रुस साजत्रा॥ उयमाता गजयक्र कत्र हहियत्र वात
 यत्रसुसत्र दं ठायत्रियूत्रा॥ याउखदा सु विन्दुअरुयत्र
 दान् मूढुमा लुगल्यत्र कं उलकान॥ नीलवत्र निधनिगु रुव
 नसात्र उगतयन्ददूक कत्ररुत निहोत्र॥ ॥ वनादि॥ ॥ क
 मलिनिमूदत्रिकमूदयुका न सवत्रियुयस खिअयलदूयाग॥
 उहत्रउनिअव कनचलि (गलजिवयिनअव सखिकंथिनहिरु
 ल॥ दाउलअनलनन सहि नहि जाय क खनदस वरुम
 वि

यमखिकाय॥ उगतयन्दरुनत्रसुहिरु खवाद (ग वत्रहिह
 त्रये (गलसूत्र॥ ॥ धनाणी॥ ॥ अविगगेदवमित्रिसम (धः
 नत्रा यत्र ननहाअथूमरुगत्रा॥ उयली गत्रा॥ ॥ क॥ यत्रगुति
 गूलखदा सु गजधत्रा विमलकलागनि (ग वत्रा॥ नत्रवत्रः
 मूढुविरुतिधत्राठत्रा गिरुयननाथनठगत्रा॥ ॥ मत्रालि
 ॥ अ॥ यत्रगव ननवत्रात्रिकत्र गीखयक्र गजयदूमधत्रा॥ मूगद
 वसहिरु कयल्यत्रवग दलअरुयदूत्र कयल कलन॥ ॥ उ